मुरादाबाद, सहारनपुर, अंबाला के एयरपोर्ट जुड़ेंगे 'उड़ान' से

केंद्र की उड़ान स्कीम के तहत 12 क्षेत्रीय नए रूटों पर सस्ती व सहज हवाई यात्रा सुलभ कराई जाएगी

संसद प्रश्नोत्तर

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) स्कीम के तहत 12 क्षेत्रीय नए रूटों पर सस्ती हवाई यात्रा को इस साल सहज और सुलभ कराएगी। 2016 से शुरू हुई इस योजना के तहत इस साल शामिल होने वाले रूटों में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और सहारनपुर, हरियाणा के अंबाला के अलावा कार निकोबार द्वीप के शिबपुर एयरपोर्ट शामिल किए जाने हैं।

नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने सोमवार को राज्यसभा में बताया कि उड़ान स्कीम अधिकाधिक स्टेशनों और मार्गों को कवर करती है जिसके तहत इस साल आठ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के एयरपोर्ट को शामिल करने की घोषणा की गई है। इसमें कार निकोबार का शिबपुर, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर व मुरादाबाद, हरियाणा के अंबाला, महाराष्ट्र के अमरावती व सोलापुर, छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर, मध्यप्रदेश के रीवा और दतिया, दमन व दियु के दमन और तमिलनाडु के वेल्लोर व नेयवेल्ली शामिल हैं। मौजूदा समय में 579 हवाई मार्गों पर 13 हेलीपोर्ट व दो वाटर एयरोड्रोम सहित 85 हवाई अड्डों को इस योजना के तहत कवर किया जाता है। मुरलीधर मोहोल ने बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइनों को अपने हवाई टिकटों के दामों में कमी लाने की कवायद करने को कहा है। कीमतों में सुधार करते हुए उन्हें खासकर पीक सीजन और त्योहारों में अत्यधिक महंगे टिकटों के दामों पर लगाम लगाने को कहा गया है। इस साल 19 जुलाई तक यात्री एयरलाइनों में तकनीकी खामियों की 427 घटनाएं हुई हैं। इस अवधि में 268 उड़ानें रद करनी पड़ीं। केंद्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद नायक ने राज्यसभा में बताया कि भारत की कुल ऊर्जा उत्पादन की क्षमता पिछले दस सालों में 80 प्रतिशत बढ़ गई है।

यूनेस्को विश्व विरासत सूची में भविष्य की संभावित सूची में भारत की 60 संपत्तियां शामिल: संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यूनेस्को विश्व विरासत सूची में भविष्य की संभावित सूची में भारत की 60 संपत्तियां शामिल की गईं हैं। संभावित सूची में वह विरासतें आती हैं जिन्हें सभी पक्ष सूची में शामिल करने पर सहमत हों।

देश में नौकरियों की कमी नहीं, बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत हुई: मांडविया

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि नौकरी को लेकर चिंता की कोई जरूरत नहीं है। देश में नौकरियों की कोई कमी नहीं है। बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई है। वर्ष 2017-18 में बेरोजगारी दर लगभग छह प्रतिशत थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में बेरोजगारी दर तीन प्रतिशत से नीचे आ जाएगी।

मांडविया ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि मौजूदा बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मनसुख मांडविया ● फाइल फोटो

मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत रोजगार सृजन के कारण बेरोजगारी दर में कमी आई है। उन्होंने कहा कि श्रम बल भागीदारी 2017-18 में 38 प्रतिशत की तुलना अब बढ़कर 44 प्रतिशत हो गई है। इसी अवधि में कार्य-जनसंख्या अनुपात 31 प्रतिशत से 40 प्रतिशत हो गया है।